NOMANI AL KHAIR FOUNDATION
नोमानी अल-खैर फाउंडेशन
نعمانی الخیر فاؤنڈیشن

मदारिस, मकातिब, स्कूल और कॉलेज के तलबा व तालिबात
के लिए सवाल-जवाब की रौशनी में

दिनी तालीम का गुलदस्ता

मुरत्तिब मौलाना सय्यद रिज़वान मूसा नोमानी

(निगरान मकातिबे कुरआनिया, मदरसा एजाजुल उलूम, कुरन नायब सदर: जमीयत उलमा, ज़िला अहमदनगर)

नाशिर

अफ्फान दीनी हाउस

(अर्शी कॉम्प्लेक्स, कोपरगांव,ज़िला अहमदनगर) 8484979861

जुम्ल हुकूक बहके नशिर महफ़ूज़ है.

किताब का नाम	दिनी तालीम का गुलदस्ता
मुरत्तिब	मौलाना सय्यद रिज़वान मूसा नोमानी
सन इशात	20 अगस्त 2025
तेदाद	1000 (हज़ार)
कीमत	50/-
प्रेस	फरहान कम्प्युटर &डी.टी.पी. वरक मालेगांव मो. 9359566438

इंतिसाब

मैं अपनी इस कोशिश को मुअल्लिमे इंसानियत हज़रत मुहम्मद के नाम मंसूब करता हूँ, जिनके वुजूद से दुनिया को सही ज़िंदगी गुज़ारने का शरफ़ हासिल हुआ।

मीलने का पता

- ☑ अफ्फान दीनी हाउस (अर्शी कॉम्प्लेक्स, कोपरगांव, ज़िला अहमदनगर)
- ☑ क़ारी सय्यद अफरोज़ शहज़ाद हुसैनी
- ☑ मरहबा कलेकशन (जिंतूर ज़िला परभनि)
- ☑ मदरसा एजाज़उलूम, कुरन
- ☑ मुफ्ती सुलेमान मूसा जामई जिंतुर

अर्ज़-ए-हाल

मोहतरम क़ारिईन!

मौजूदा हालात में मासूम दिमाग़ों को इस्लामी तालीमात से दूर करने के लिए हर मुमकिन कोशिश की जा रही है। जिसके नतीजे में बचपन ही से बच्चों का दिमाग़ दीनी तालीम से दूर होता जा रहा है।

जाइज़े में यह बात सामने आई कि छोटे बच्चों को बचपन ही से इस्लामी तालीमात से मुतनफ़्फ़िर करने की मुनज़्ज़म कोशिश हो रही है। नए-नए सवालात के ज़रिए बच्चों को ग़लत तालीमात से उलझाया जा रहा है। मदरसा एजाज़ुलउलूम, कुरन के ज़ेरे निगरानी जारी 110 मकातिब की विज़िट की ख़िदमत के दौरान बच्चों की जानिब से दिल दहलाने वाली कारगुज़ारियां मौसूल हुई। इर्तिदाद, पर्दा, तअद्दुद अज़दवाज, मदारिस और फ़ितना-ए-शकीलियत जैसे संगीन मसाइल पर बच्चों के दिमाग़ों को गंदा किया जा रहा है।

इसी गंदगी व पुलीदगी से नस्ल-ए-नौ को बचाने के लिए और इस्लामी सही तालीमात से रुशनास कराने के लिए बड़ी मेहनत से नोमानी अल-ख़ैर फ़ाउंडेशन, कोपरगांव व सीरत कमेटी के मुख़लिस साथियों ने इस्लामी क्विज़ मुक़ाबले के इनइक़ाद करने का अज़्म किया है।

जिसके लिए 250 सवालात व जवाबात पर मुश्तमिल किताबचा ब-नाम "दिनी सवालात का गुलदस्ता" बड़ी मेहनत के ज़रिए तर्तीब दिया गया है। इस रिसाले में इस बातकी कोशिश की गई है कि हालात-ए-हाज़िरा में बातिल ने इस्लामी तालीमात के जिन पहलुओं पर वाहवेला मचा कर इस्लाम की शबीह खराब करने की कोशिश की है, उन पहलुओं पर जो एतराज़ात किए गए हैं, उनकी सही तरजुमानी करते हुए उसकी हक़ीक़ी तालीमात से बच्चों को वाक़िफ़ कराने की फ़िक्र और कोशिश की गई है।

इसलिए दीनी दर्द रखने वाले हज़रात से हम गुज़ारिश करते हैं कि अपने हलक़ों में इस रिसाले को याद कराके उनके दिमाग़ों को ग़लत तालीमात से बचाने की फ़िक्र करें। इसके लिए इस्लामी क्विज़ मुक़ाबला सबसे मौअस्सर ज़रिया है। आप तमाम से गुज़ारिश हैकि ज़रूर अपने इलाक़ों में इस्लामी क्विज़ मुक़ाबलों का एहतिमाम करें।

इंशा-अल्लाह नुमानी अल-ख़ैर फ़ाउंडेशन इस अज़ीम कार-ए-ख़ैर में आपका ख़ादिम होगा। मज़ीद इस रिसाले में क़ाबिल-ए-इस्लाह चीज़ आप की नज़र से गुज़रे तो हमें ज़रूर मुत्तला फ़रमा कर इंद-अल्लाह माजूर हों।

फ़क़त:

मौलाना सय्यद रिज़वान मूसा नोमानी

(ख़ादिम नोमानी अल-ख़ैर फ़ाउंडेशन, कोपरगांव)

कलिमात-ए-तबरीक

हज़रत अक़दस मौलाना मुफ़्ती अब्दुर्रशीद साहब क़ासमी कालीना

मुंबई दामत बरकातुहुमुल आलीया

(फ़र्ज़न्द व जानशीन हज़रत मौलाना मुनीर अहमद साहब कालीना रहमतुल्लाह अलैह)

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

अल्लाह तआला का दिया हुआ कामिल दीन-ए-इस्लाम और आका हज़रत मुहम्मद ﷺ की ज़ात-ए-आली की बरकत से कायनात में रौशनी और दो आलम में उजाला है। आदम अ.स. की औलाद और क़यामत तक आने वाली जिन्नात व इंसानों की हिदायत और रहबरी के लिए अल्लाह पाक ने मज़हबे इस्लाम व आका हज़रत ﷺ की मुबारक शख़्सियत और उनकी नूरानी हिदायतों का इंतिख़ाब फ़रमाया है।

नक़्श-ए-क़दम नबी ﷺ के हैं जन्नत के रास्ते * अल्लाह से मिलाते हैं सुन्नत के रास्ते

जो जितना ज़्यादा सरवर-ए-कायनात ﷺ की ज़ात, आपकी तालीमात और तरीक़े से क़रीब होता जाएगा, उतना ही उसकी ज़िंदगी में इज़्ज़त, कामयाबी और ख़ुशहाली बढ़ती जाएगी।

कि मोहम्मद ﷺ से वफ़ा तू ने तो हम तेरे हैं * ये जहां चीज़ है क्या, लौह व क़लम तेरे हैं

हमारी बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी है कि हम खुद अपने अंदर, अपने घर-परिवार, रिश्तेदारों और पूरी उम्मत के अंदर इस सिलसिले में अमली बेदारी पैदा करें। ताकि पूरा समाज इस्लामी तालीमात और आका ﷺ की सीरत व सुन्नत के क़रीब होता चला जाए।

अल्हम्दुलिल्लाह! उम्मत के फ़रद अलग-अलग मैदानों में इस बारे में कोशिशें कर रहे हैं। इन्हीं कोशिशों की एक कड़ी है — सीरतुन्नबी ﷺ इस्लामी इनामी क्विज़ मुकाबला के नाम से 250 सवाल व जवाब पर मुश्तमिल एक रिसाला।इसे बिरादर-ए-गरामी मौलाना सैय्यद रिज़वान मूसा साहब नोमानी दामत बरकातुहुम (निगरान मकातिब-ए-कुरानिया, मदरसा इजाज़ुल उलूम, कुरन) ने तर्तीब दिया है। इस रिसाले में इस्लाम के बुनियादी अक़ाइद, पैग़म्बर-ए-इस्लाम ﷺ की सीरत-ए-पाक और आज के दौर में इस्लाम पर उठने वाले सवालात के जवाब बहुत ही अच्छे और आसान अंदाज़ में दिए गए हैं।

हम तमाम स्कूल, कॉलेज और मकातिब के ज़िम्मेदारों से गुज़ारिश करते हैं कि इस रिसाले को नई नस्ल तक पहुँचाएं, क्योंकि यह आज के दौर की सख़्त ज़रूरत है। हमें उम्मीद है कि अहल-ए-इल्म व दानिश अपने-अपने मैदानों में इस से फ़ायदा उठाएंगे और मकातिब-ए-कुरानिया अपने बच्चों को इस अज़ीम कोशिश का हिस्सा बनाएंगे, इंशाअल्लाह।

रब्बुल आलमीन इन तमाम कोशिशों को क़ुबूलियत और बरकत अता फ़रमाए, और हम सबको अपने फ़ज़्ल से और ज़्यादा तौफ़ीक़ात, तरक़्क़ियात और दोनों जहां की सआदतें अता फ़रमाए।

आमीन या रब्बल आलमीन।

तक़रीज़

हज़रत मौलाना निज़ामुद्दीन फ़ख़रुद्दीन साहब दामत बरकातहुंम

(मुहतामिम दारुल उलूम निज़ामिया सूफ़िया, पूना)

यह क़ानून-ए-क़ुदरत है कि हर फ़सल की नशोनुमा के लिए पानी का होना ज़रूरी है। अगर उस फ़सल के मुताबिक़ पानी न मिले तो फ़सल जल जाती है, तबाह और बर्बाद हो जाती है, और किसान के हाथ कुछ नहीं आता। यही हाल नस्लों का भी होता है। अगर उनकी तालीम व तरबियत न हो तो नस्लें बर्बाद हो जाती हैं। राहे-ए-रास्त पर न चलने की बदक़िस्मती से उनका गुमराह होना लाज़मी है। फिर किसान की तरह यानी वालिदैन और सरपरस्त अफ़सोस करते रह जाते हैं। लेकिन वक़्त गुज़र जाने के बाद का अफ़सोस बेकार होता है।

आज फ़ितनों की बारिश हो रही है। इन फ़ितनों की ख़तरनाक और ईमान-सोज़ बारिश से बचने के लिए "इस्लाम" एक सायबान है, जिसकी क़ौली और अमली तशरीह हमारे आक़ा ख़ातिमुन्नबीयीन हज़रत मुहम्मद रसूलुल्लाह ﷺ की ज़ात-ए-मुबारक है। नूरानी और मुबारक ज़िंदगी के लिए ज़रूरी है कि हम ख़ास तौर पर अपने बच्चे अपने मुहसिन हज़रत मुहम्मद रसूलुल्लाह ﷺ की सीरत-ए-पाक से रोशनी हासिल करें।

अल्लाह हमारे उलमा-ए-किराम को जज़ा-ए-ख़ैर दे। इन पाकबाज़ हस्तियों ने हर दौर में पूरी कोशिश की है कि उम्मत के नौजवान मुहम्मद अरबी ﷺ की पाक सीरत से वाक़िफ़ हों।

आज भी जब कि हमारे बच्चों को गुमराह करने के लिए मन्सूबा-बन्द तरीक़े से बातिल-पसंदों और फ़िर्क़ा-परस्तों ने कमर कस ली है, हमारे उलमा ने भी यह अज़्म कर लिया है कि उम्मत के नौजवानों के दिल व दिमाग़ को सीरतुन्नबी ﷺ और इस्लामी तालीमात की रोशनी से ममुर और मुनव्वर करके रहेंगे। इसी का एक तरीक़ा "तलबा व तालिबात" के लिए सीरतुन्नबी ﷺ इस्लामी क्विज़ मुकाबला है।

नोमानी अल-ख़ैर फ़ाउंडेशन कोपरगाँव, ज़िला अहमदनगर, महाराष्ट्र के ज़ेरे-इंतिज़ाम मौलाना रिज़वान सय्यद मूसा नोमानी की निगरानी में यह मुबारक सिलसिला जारी है, जिसकी कोशिश यही है कि हमारे बच्चे इस्लामी तालीमात और सीरत-ए-पाक से वाक़िफ़ हों।

अल्लाह तआला इस कोशिश को कामयाब करे। और जो उलमा इस अज़ीम मिशन से जुड़े हुए हैं अल्लाह तआला उनको बेहतरीन जज़ा-ए-ख़ैर अता फ़रमाए।

आमीन बिजाह सैय्यदुल मुरसलीन ﷺ

1) सवाल : तुम कौन हो ?

जवाब : हम मुसलमान हैं .

2) सवाल : मुस्लमान किसे कहते हैं ?

जवाब : अल्लाह को एक मानना और हज़रत मोहम्मद ﷺ को अल्लाह के आखिरी रसूल मानना और उनकी बताई हुई बात को मानकर अमल करने वाले को मुसलमान कहते हैं .

3) सवाल : तुम्हारा मजहब क्या है ?

जवाब : हमारा मजहब इस्लाम है.

4) सवाल : इस्लाम क्या सिखाता है ?

जवाब : इस्लाम यह सिखाता है कि अल्लाह एक है वही इबादत के लायक है और हजरत मोहम्मद ﷺ अल्लाह के बंदे और उसके रसूल हैं .

5) सवाल : इस्लाम का कलिमा क्या है ?

जवाब : ला इलाह इल्लल्लाहु मुहम्मदूर रसूलुल्लाही .

6) सवाल : तुम्हें किसने पैदा किया ?

जवाब : हमको और हमारे मां-बाप को और आसमानों जमीनों और तमाम मख्लुक़ को अल्लाह ने पैदा किया .

7) सवाल : अल्लाह ने दुनिया को किस चीज से पैदा किया ?

जवाब :अल्लाह ने दुनिया को अपनी कुदरत और हुक्म से पैदा किया

8) सवाल : रोज़ी कौन देता है और दुआए कौन सुनता है ?

जवाब : रोज़ी अल्लाह देता है और दुआएं भी अल्लाह सुनता है .

9) सवाल : मौत कौन देता है और कौन जिंदा करता है ?

जवाब : मौत अल्लाह देता है और जिंदा भी अल्लाह करता है .

10) सवाल:अल्लाह के अलावा किसी और को सजदा करना कैसा है?

जवाब : शिर्क है .

11) सवाल : इस्लाम के बुनियादी उसूल क्या है ?

जवाब : तौहीद , रिसालत , आखिरत .

12) सवाल : जो लोग अल्लाह को नहीं मानते उन्हें क्या कहते हैं ?

जवाब : उनको काफिर कहते हैं .

13) सवाल : काफिर व मुशरिक बख्शे जायेंगे या नहीं ?
जवाब : उनकी बख़्शीश नहीं होगी .
14) सवाल : तुम किसके बंदे हो ?
जवाब : अल्लाह के .
15) सवाल : तुम किसकी औलाद हो ?
जवाब : हजरत आदम अलैहिस्सलाम की .
16) सवाल : क्या इंसान पहले बंदर था ?
जवाब : इंसान पहले बंदर नहीं था बल्कि अल्लाह ताला ने इंसान को उसी शक्ल व सूरत में पैदा किया जिस शक्ल व सूरत में आज है .
(नोट : हमने स्कूल की किताबों में जो पढ़ा है कि इंसान पहले बंदर था यह बिल्कुल गलत है और जहालत है .)
17) सवाल : हजरत मुहम्मद ﷺ जब नबी बनाए गए उस वक्त आप ﷺ की उम्र मुबारक क्या थी ?
जवाब : 40 साल
18) सवाल : हिजरत के वक्त आप ﷺ कि उम्र क्या थी ?
जवाब : 53 साल .
19) सवाल : आप ﷺ मक्का में कितने साल रहे और मदीना में कितने साल रहे?
जवाब : आप ﷺ मक्का में 53 साल और मदीना में 10 साल रहे .
20) सवाल : हुज़ूर ﷺ कि हज़रत खदीजा से शादी के वक्त क्या उम्र थी और हज़रत खदीजा की क्या उम्र थी ?
जवाब : शादी के वक्त हुजूर ﷺ कि उम्र मुबारक 25 साल और हज़रत खदीजा की उम्र मुबारक 40 साल थी .
21) सवाल : हुजूर ﷺ दुनिया में कितने साल रहे ?
जवाब : 63 साल .
22) सवाल : सबसे पहले और सबसे आखरी नबी का नाम क्या है ?
जवाब : सबसे पहले नबी हज़रत आदम और सबसे आखरी नबी हज़रत मुहम्मद ﷺ है .23) सवाल : क्या हज़रत मुहम्मद ﷺ के बाद अब कोई नबी आएगा ?
जवाब : नहीं और जो नुबुव्वत का दावा करेगा वह झूठा औरकाफ़िर है .

24) सवाल : हमारे नबी ﷺ के लड़कों के नाम बताओ ?

जवाब : हमारे नबी ﷺ को तीन लड़के थे 1) हज़रत अब्दुल्लाह, 2) हज़रत क़ासिम, हज़रत 3)इब्राहिम रज़ीयल्लाहू अनहुम व रज़ु अन .

25) सवाल : हमारे नबी ﷺ के लड़कियों के नाम बताओ ?

जवाब : हमारे नबी ﷺ को चार 4 लड़कियां थी हज़रत ज़ैनब , हज़रत रुकैया , हज़रत उम्मे कुलसुम, हज़रत फातिमा.

हजरत फातिमा रज़ीयल्लाहू अनहुम व रज़ु अन .

26) सवाल : वफात के वक्त हमारे नबी ﷺ की उम्र कितनी थी ?

जवाब : 63 साल

27) सवाल : मशहूर आसमानी किताबें कितनी है और किन नबियों पर नाजिल हुई ?

जवाब : मशहूर आसमानी किताबें चार 4 है

(1) तौरेत हजरत मूसा अलैहिस्सलाम पर (2) ज़बूर हजरत दाऊद अलैहिस्सलाम पर (3) इंजिल हजरत इसा अलैहिस्सलाम पर (4) कुरआन मुहम्मद ﷺ पर नाज़िल हुई.

28) सवाल : अल्लाह एक है या कई है ?

जवाब : अल्लाह सिर्फ एक ही है .

29) सवाल : अल्लाह तआला कहां है?

जवाब : अल्लाह तआला हर जगह है .

30) सवाल : अल्लाह कब से है और कब तक रहेगा ?

जवाब : अल्लाह हमेशा से है और हमेशा रहेगा .

31) सवाल : वो कौन सा मकाम है जहां नबी ﷺ को पत्थर मारे गए ?

जवाब : ताईफ .

32) सवाल : किस सहाबी को आप ﷺ ने अल्लाह कि तलवार कहा?

जवाब : हजरत खालिद बिन वलीद को आप ﷺ ने अल्लाह कि तलवार कहा .

33) सवाल : इस्लाम क्या है ?

जवाब : इस्लाम यह है कि तुम दिल से मान लो और जुबान से कहे दो के अल्लाह एक है और हजरत मुहम्मद ﷺ अल्लाह के बंदे और उसके रसूल है .

34) सवाल : तुम किसकी उम्मत हो ?

जवाब : हज़रत मुहम्मद ﷺ कि .

35) सवाल : तुम्हारे नबी ﷺ का क्या नाम है ?

जवाब : हमारे नबी का नाम मुहम्मद ﷺ है .

36) सवाल : हमारे नबी ﷺ कहां पैदा हुए ?

जवाब : मक्का मुकर्रमा में 9 रबिउल अव्वल पीर के दिन 20 अप्रैल 571 सन इसवी को पैदा हुए .

37) सवाल : हमारे नबी ﷺ के वालिद,वालिदा ,दादा और चचा का नाम क्या है ?

जवाब : हमारे नबी ﷺ के वालिद का नाम अब्दुल्लाह वालिदा का नाम बीबी अमीना, दादा का नाम अब्दुल मुत्तलिब,और चचा का नाम अबू तालिब है

38) सवाल : नबी ﷺ की कितनी बीवियां थी और उनके नाम बताएं ?

जवाब : नबी ﷺ की 11 बिवीयां थी और उनके नाम ये है .

(१) मां हज़रत खदीजा (२) मां हज़रत सौदा (३) मां हज़रत आयेशा (४) मां हज़रत ज़ैनब बिंते जहश (५) मां हज़रत उम्मे सलमा (६) मां हज़रत ज़ैनब बिंते खुजैमा (७) मां हज़रत हफसा (८) मां हज़रत मैमुना (९) मां हज़रत उम्मे हबीबा (१०) हज़रत सफिया (११) मां हज़रत जुवेरिया

(नोट : नबी ﷺ की पाक बिवीयां तमाम मुस्लमानो की प्यारी मांए है)

39) सवाल : नबी ﷺ के दामादों के नाम बताओ ?

जवाब : (1)हज़रत अबुलआस बिन रबि (2) हजरत उस्मान (3) हजरत अली

40) सवाल : सीरत किसे कहते हैं ?

जवाब : नबी ﷺ के जिंदगी के हालात को सीरत कहते हैं .

41) सवाल : हदीस किसे कहते हैं ?

जवाब : नबी ﷺ की जुबान से निकली हुई बातों को और उनके किए हुए कामों को हदीस कहते हैं .

42) सवाल : नबी किसे कहते हैं ?

जवाब : नबी अल्लाह ताला के नेक बंदे होते हैं जो अल्लाह ताला के अहकाम उसके बंदों तक पहुंचाते हैं .

43) सवाल : दुनिया में कुल कितने नबी आए ?

जवाब : तकरीबन 1 लाख 24 हजार नबी आए .

44) सवाल : कुरआन मजीद क्या है ?

जवाब : अल्लाह ताला की किताब और अल्लाह का कलाम है .

45) सवाल : कुरआन क्या सिखाता है ?

जवाब : दुनिया और आखिरत की तमाम भलाईया सिखाता है .

46) सवाल : नबी ﷺ की कोनसी बिवी की पाकदामनी के बारेमे कुरआन की आयतें नाज़िल हुई ?

जवाब : हज़रत आयेशा .

47) सवाल :कुरआन शरीफ कितने सालों में नाज़िल हुआ और कौन लेकर आया ?

जवाब : कुरआन शरीफ 23 साल में नाज़िल हुआ और हजरत जिब्रइल लेकर आए .

48) सवाल : कुरआन शरीफ में कितने पारे है ?

जवाब : कुरान शरीफ में 30 पारे हैं .

49) सवाल : कुरआन शरीफ में कितनी सूरते हैं ?

जवाब : कुरआन शरीफ में 114 सूरते है .

50) सवाल : कुरान की सबसे पहले कौन सी आयत नाजिल हुई ?

जवाब : सूरत अलक़ : اقرأ باسم ربك الذى خلق

51) सवाल : अल्लाह ताला ने हजरत आदम को किस चीज से पैदा किया ?

जवाब : अल्लाह ताला ने आदम अलैहिस्सलाम को मिट्टी से पैदा किया .

52) सवाल : नमाज क्या है ?

जवाब : नमाज दीने इस्लाम का सुतुन है .

53) सवाल : मुस्लमान किसके लिए नमाज पढ़ते हैं ?

जवाब : मुसलमान अल्लाह के लिए नमाज पढ़ते हैं .

54) सवाल : नमाज एक दिन और एक रात में कितनी मर्तबा पढ़ी जाती है ?

जवाब : नमाज एक दिन और एक रात में 5 मर्तबा पढ़ी जाती है .

55) सवाल : पांचो नमाजों के नाम क्या है ?

जवाब : (१) फज्र (२)जुहर (३) असर (४) मगरिब (५)ईशा

56) सवाल : नमाज पढ़ने पर क्या मिलता है ?

जवाब : नमाज अल्लाह की बहुत बड़ी इबादत है जिसके पढ़ने वाले को दुनिया में बरकते नसीब होती है और उसके लिए आखिरत में जन्नत का वादा है .

57) सवाल : नमाज ना पढ़ने पर क्या होता है ?

जवाब : अल्लाह नाराज और गुस्सा होता है और इंसान की जिंदगी से बरकतें खत्महो जाती है .

58) सवाल : जो सबको नमाज़ जमात से पढ़ाता है उसको क्या कहते हैं ?

जवाब : उसको ईमाम कहते हैं .

59) सवाल : इमाम का मकाम व मर्तबा क्या है ?

जवाब : इमाम का दुनिया व आखिरत में बड़ा मकाम व मर्तबा है ,खुद हुजूर ﷺ ने उनके मग्फिरत की दुआ फरमाई है , इमाम हमारे मुआशरे का बहुत बा इज़्ज़त फर्द होता है हमको उनकी बहुत इज्जत करनी चाहिए .

60) सवाल : दुनिया किसने बनाई है ?

जवाब : अल्लाह तआला ने .

61) सवाल : किस सहाबी के बारे आप ﷺ ने फरमाया के मेरे बाद अगर कोई नबी होता वो ये होता ?

जवाब : हज़रत उमर

62) सवाल : नबी ﷺ को मक्का मुकर्रमा वाले नुबुव्वत मिलने से पहले किस नाम से पुकारा करते थे ?

जवाब : अमीन व सादिक़ नाम से

63) सवाल : आप ﷺ के कोनसे सहाबी का नाम कुरआन में है ?

जवाब : हजरत ज़ैद बिन हारसा

64) सवाल : जब आप ﷺ हिजरत कर के मक्का से मदीना आये तो आप ﷺ कि ऊंटनी किस अंसारी सहाबी के मकान पर ठहर गई ?

जवाब : हजरत अबु अय्युब अंसारी के मकान पर .

65) सवाल : क्या इस्लाम तलवार की ज़ोर से फैला है ?

जवाब : हरगिज़ नहीं -इस्लाम अपनी बुलंद व आला तालीमात,आपस में बराबरी

इसने अख्लाक व किरदार के ज़रिए फैला है , जो कोई आज भी इस्लामी तालीमात का खुले ज़हेन से मुत़ालआ करेगा वो इस्लाम की सच्चाई को कबूल करें बगैर रहे नहींसकता

66) सवाल : : बच्चों में सबसे पहले किसने इस्लाम कबूल किया ?

जवाब : हजरत अली ने

67) सवाल : इस्लाम की बुनियाद क्या है ?

जवाब :इस्लाम की बुनियाद पांच चीजों पर है. (१) गवाही देना के अल्लाह के सिवा कोई माबूद नहीं और मुहम्मद ﷺ अल्लाह के रसूल है (२) नमाज़ काइम करना (३) जकात अदा करना (४) रमजान के रोजे रखना (५) हज करना .

68) सवाल : नमाज के लिए मुस्लमानो को किस चीज के जरिए बुलाया जाता हैं?

जवाब : अज़ान के जरिए .

69) सवाल : क्या अज़ान फिज़ाई आलूदगी का जरिया है ?

जवाब : अज़ान अल्लाह की बड़ाई, रसूलुल्लाह ﷺ की रिसालत और इंसानों की मुकम्मल कामयाबी की सबसे बड़ी दावत है ये फिज़ाई आलूदगी नही हो सकती जिन ईलाको मे अज़ान की आवाज़ गुंज्ती है ऊन ईलाको से शयातीन भागते है और ऊन ईलाको मे आसमान से खैर बरकाते नाज़िल नाज़िल होती है

70) सवाल : जो शख्स अज़ान देता है उसको क्या कहते हैं ?

जवाब : मुअज़्ज़िन कहते हैं .

71) सवाल : मुअज्जिन का मकाम व मर्तबा क्या है ?

जवाब : मुअज़्ज़िन का मकाम इस्लाम में बहुत बुलंद है, जहां तक मुअज़्ज़िन के अज़ान की आवाज पहुंचती है ,हर चीज उसके लिए मगफिरत की दुआ करती है इसलिए हमको मुअज़्ज़िन का खूब एहतराम करना चाहिए .

72) सवाल : जकात कब फर्ज हुई ?

जवाब : सन 3 हिजरी में .

73) सवाल : जकात किसे कहते हैं ?

जवाब : मालदार शख्स साल गुजरने के बाद अपने माल का जो 40 वा हिस्सा निकालता है उसे ज़कात कहते हैं .

74) सवाल : जकात अदा करने का क्या फायदा ?

जवाब : यूं तो जकात अदा करने के बहुत से फायदे हैं (१) अल्लाह का हुक्म पूरा होता है (२)माल महफूज रहता है (३) गुरबत खत्म होती है .

75) सवाल : जकात अदा ना करने का क्या नुकसान है ?

जवाब : (१) अल्लाह नाराज और गुस्सा होता है (२) माल में बरकत नहीं रहती (३) गुरबा व मसाकिन की हक़ तलफी होती है (४) आखिरत में दर्दनाक अज़ाब होगा .

76) सवाल : मुसलमान के लिए सूद (ब्याज़) लेना कैसा है ?

जवाब : सूद (ब्याज़)लेना और देना बहुत सख्त गुनाह है,सूद का कारोबार करने वाले से अल्लाह ने जंग का ऐलान किया है , जाहिर सी बात है के किसी गरीब या मिस्कीन को कोई माली जरूरत पेश आ जाए तो इस्लाम ने कर्जे हसना , ज़कात , सदकात का एक प्यारा निज़ाम दिया है, जिसमें मालदार गरीब पर एहसान करके सवाब का मुस्तहिक होता है , पर सूद में गरीब को ज़लील व रूसवा किया जाता है , और उसकी इज्जते नफ्स को पामाल किया जाता है ,इसलिए इस्लाम में सूद को हराम करार दिया है .

77) सवाल : क्या बचत गट भी सूद (ब्याज़) है ?

जवाब : जी हां_ बचत गट कामेटि भी सूद है .यह भोली-भाली औरतों के साथ बहुत बड़ा धोखा है, चंद पैसों के बदले सालहा साल तक उनसे सूद (ब्याज़) लिया जाता है, और बाज़ मर्तबा पैसे न अदा करने पर बात इज़्ज़त व इस्मत तक आ जाती है, ईस लिये मुसलमान बहन को इस गुनाह से बचना चाहिए, और शरीअत की रोशनी में पढ़ी-लिखी खवातीन के साथ उसका कोई मुनासिब हल तलाश करना चाहिए .

78) सवाल : हज किसको कहते हैं ?

जवाब : हज एक इबादत है ,जो के अल्लाह के घर (काबे) का तवाफ और मक्का मुकर्रमा के मुकद्दस मकामात पर हाज़िर होकर कुछ आदाब व आमाल करने का नाम हज है .

79) सवाल : हज किस पर फर्ज है ?

जवाब : जो भी मुसलमान (मर्द औरत)साहीबे इस्तेताअत हो _यानी सफरे हज का मुकम्मल खर्च और जाने के बाद अपने अहलो अयाल के अख्वजात के इंतजाम की ताकत रखता हो उस पर हज फर्ज है .

80) सवाल : हज करने का क्या फायदा है ?

जवाब : हज करने का सवाब अल्लाह और उसके रसूल के रज़ा और जन्नत है .

81) सवाल : इस्तेताअत के बावजूद हज न करने का गुनाह क्या है ?

जवाब : जो शख्स ताकत के बावजूद हज ना करें तो फिर चाहें वह यहूदी होकर मरे या नसरानी होकर, अल्लाह पाक को उसकी कोई परवाह नहीं .

82) सवाल : आप ﷺ ने हिजरत के बाद पहला और आखरी हज कब किया ?

जवाब : सन 10 हिजरी में

83) सवाल : हज जिंदगी में एक बार फ़र्ज़ है या हर साल ?

जवाब : हज जिंदगी में एक बार फर्ज है .

84) सवाल : रोजा़ किसे कहते हैं ?

जवाब : सुबह सादिक से लेकर गुरुबे आफताब तक खाने-पीने और नफसानी ख्वाहिश से अल्लाह की रजा़ के लिए अपने आप को रोके रखने का नाम रोज़ा है .

85) सवाल : रोजा कब फर्ज हुआ ?

जवाब : सन 2 हिजरी में

86) सवाल : रोज़ा किस पर फर्ज है ?

जवाब : हर आक़िल बालिग मुसलमान मर्द औरत पर फर्ज है .

87) सवाल : किस महीने के रोजे रखना फर्ज है ?

जवाब : रमजा़नुल मुबारक के रोजे रखना फर्ज है .

88) सवाल : रोजा रखने के क्या फायदे हैं ?

जवाब : रोजा अल्लाह की रजा और हुसूले जन्नत का जरिया है रोजा से इंसान को रूहानी कुव्वत और दिमाग को सुकून मिलता है .

89) सवाल : रोजे कि हिक्मत क्या है ?

जवाब : रोजा रखने से गरीबों मिस्किनो की हमदर्दी , भूख और प्यास की शिद्दत में सब्र व बर्दाश्त की सिफत पैदा होती है, और रोजेदार बहुत से गुनाहों से बच जाता है, रोजे से दिल की पाकी और रुह की सफाई नफ्स की पाकिज़गी नसीब होती हैं .

90) सवाल : क्या गैर मुस्लिम के माल से इफ्तार कर सकते हैं ?

जवाब : जी हां _ कर सकते हैं, अलबत्ता शर्त ये है के खाने में कोई हराम और नापाक चीज शामिल ना हो .

91) सवाल : हजरत मुहम्मद ﷺ कहां पैदा हुए ?

जवाब : सउदी अरब के शहर मक्का मुकर्रमा में पैदा हुए .

92) सवाल : हुजूर ﷺ की विलादत इसवी सन के मुताबिक बताएं ?

जवाब : 22 अप्रैल 571 सन इसवी

93) सवाल : हुजूर ﷺ के नाना नानी और दादी का नाम बताओ ?

जवाब :हुजूर ﷺ के नाना का नाम वहब बिन अब्दे मुनाफ, नानी का नाम बर्रा बिन्त अब्दुल इज़्जा और दादी का नाम फ़ातिमा बिंते अम्र बिन आईज़ था .

94) सवाल : हुजूर ﷺ के कितने चचा थे और कितने मुशर्रफ इस्लाम हुए ?

जवाब : हुजूर ﷺ के 11 चचा थे (१) अबू तालिब (२) हजरत अमीर हम्ज़ा (३) हजरत अब्बास (४) हजरत हारीस (५) अबु लहब (६) जुबैर (७) अब्दुल्लाह (८) ज़िरार (९) अब्दुल काबा (१०) क़सम (११) गैदाक और मुशर्रफ बा इस्लाम सिर्फ दो हुए (१) हजरत अमीर हम्ज़ा (२)हजरत अब्बास

95) सवाल :हुजूर की बिरादरी कौन सी थीऔर किस खानदान से ताल्लुक रखते थे ?

जवाब : हुजूर ﷺ की बिरादरी कुरैश थी और हाशमी खानदान से ताल्लुक रखते थे

96) सवाल : हुजूर ﷺ के दनदाने मुबारक किस जंग में शहीद हुए ?

जवाब : हुजूर ﷺ के दनदाने मुबारक जंगे उहद मैं शहीद हुए .

97) सवाल : नबी ﷺ ने हजरत जिब्राइल अलैहिस्सलाम को उनके असली हालत में कितनी बार देखा ?

जवाब : 4 बार

98) सवाल : तुम अपना सर किसके सामने झुकाते है ?

जवाब : अल्लाह तआला के .

99) सवाल : हजरत जिब्राइल अलैहीस्सलाम आप ﷺ के पास किस सहाबी की शक्ल में आते थे

जवाब : हजरत दिह्या क़ल्बी

100) सवाल : तौहीद का क्या मतलब है ?

जवाब : अल्लाह को एक मानना .

101) सवाल : रिसालत का क्या मतलब है?

जवाब : हुजूर ﷺ को अल्लाह का रसुल मानना .

102) सवाल : आखिरत का क्या मतलब है ?

जवाब : मरने के बाद जो जिंदगी शुरू होती है उसको आखिरत कहते हैं .

103) सवाल : नुबूवत के ज़माने में कितनी और कहाँ-कहाँ हिजरतें हुई?

जवाब: तीन हिजरतें हुई : (1) हब्शा की पहली हिजरत

(2) हब्शा की दूसरी हिजरत (3) मदीना मुनव्वरा की हिजरत

104) सवाल: आपने किस साल को "आम्मुल-हुज़्न" (ग़म का साल) कहा है?

जवाब: नबी करीम ﷺ ने नुबूवत के दसवें साल को "आमुल-हुज़्न" (ग़म का साल) कहा। इसकी वजह ये थी कि उसी साल आपकी बीवी हज़रत ख़दीजा रज़ियल्लाहु अन्हा और आपके चाचा अबू तालिब का इंतेक़ाल हुआ। इस साल आपको बहुत ज़्यादा दुख और तकलीफों का सामना करना पड़ा।

105)सवाल:नबी ﷺका नाम मुहम्मद किसने रखा और अहमद नाम किसने रखा?

जवाब : मुहम्मद नाम दादा अब्दुल मुत्तलिब ने और अहमद नाम वालिदा हजरत आमिना ने रखा .

106) सवाल : फिक़ाह के मशहूर इमामो के नाम बताओ ?

जवाब : (१) इमाम अबू हनीफा (२) इमाम शाफई

(३) इमाम मालिक (४) इमाम अहमद बिन हंबल .

107) सवाल : कयामत का दिन किसे कहते हैं ?

जवाब : जिस दिन तमाम आदमी और जानदार मर जाएंगे, और यह जमीन व आसमान और पूरी कायनात तबाह व बर्बाद हो जाएगी उस दिन को कयामत का दिन कहते हैं .

108) सवाल : फरिश्ते किसे कहते हैं ?

जवाब : अल्लाह तआला की नूरानी मख्लुक को फरिश्ते कहते हैं .

109) सवाल : फरिश्ते कितने हैं ?

जवाब : फरिश्ते बेशुमार है उनकी तादाद अल्लाह तआला के सिवा किसी को मालूम नहीं .

110) सवाल : मशहूर फरिश्ते कितने हैं उनके नाम बताओ ?

जवाब : (१) हजरत जिब्रइल अलैहिस्सलाम (२) हजरत मिकाइल अलैहिस्सलाम (३) हजरत इस्राफिल अलैहिस्सलाम (४) हजरत इज्राईल अलैहिस्सलाम .

111) सवाल : यारे गार रफीके जांनिसार किसे कहते हैं ?

जवाब : हजरत अबू बकर सिद्दीक रज़ीयल्लाहू अन्हू को .

112) सवाल : इस्लाम की सबसे पहली मस्जिद कौन सी है ?

जवाब : मस्जिदे कुबा .

113) सवाल : खाने काबा में कितने बुत रखे हुए थे और मशहूर बुतों के नाम बताओ ?

जवाब : खाने काबा में 360 बुत रखे हुए थे मशहूर बुतों के नाम ये है

१) उज़्ज़ा (२) मनात (३) नज़्र

114) सवाल : चंद मशहूर गज़वात के नाम बताओ ?

जवाब : (१) गज़व-ए-बदर (२) गजव-ए-उहद (३) गज़व-ए- खंदक़ (४) गज़व-ए-हुनैन (५) गज़व-ए- खैबर (६) गज़व-ए-तबुक वगैराह .

115) सवाल :गज़व-ए-बदर मैं मुस्लमानो और काफिरों की तादाद क्या थी ?

जवाब : मुसलमानो की तादाद 313 और काफीरो की तादाद 1000 के करीब थी

116) सवाल : उस हब्शी का नाम बताओ जिसने हजरत हमजा को गजव-ए-उहद में शहीद किया उसने इस्लाम और कुफ्र के किन दो अहम शख्सियत को खत्म किया ?

जवाब:उस हब्शी का नाम वहशी बिन हर्ब था उसने इस्लाम की शख्सियत हजरत हमजा रज़ीयल्लाहु अन्हु को शहीद किया, और उसी ने मुसलमान होने के बाद कुफ्फार की सबसे अहम शख्सियत मूसैलमा कज़्ज़ाब को जहन्नम में पहुंचा दिया

117)सवाल :फर्ज वाजिब सुन्नत किसे कहते हैं और उसके मुनकिर को क्या कहते हैं

जवाब : ऐसा काम जिसको अल्लाह और उसके रसूल ﷺ ने निहायत जरूरी करार दिया हो और उसके बगैर कोई चारा नहीं हो उसको फर्ज कहते हैं , और उसके ना मानने वाले को काफिर कहते हैं, वाजिब ऐसा जरूरी काम जिसके मुतअल्लिक शरिअत का हुक्म हो लेकिन इतना जरूरी नहीं कि उसके बगैर चारा नहीं , इसके न मानने वाले को काफीर नहीं बल्कि फासीक कहते हैं , सुन्नत ऐसा काम

जिसको हुज़ूर ﷺ ने किया हो और करने का हुक्म दिया हो और कभी-कभी उज़्र की वजह से छोड़ दिया हो उसके ना मानने वाले को काफिर फासीक नहीं कहते बल्के उसका ना मानने वाला गुनाहगार होता है .

118) सवाल : हजरत मुहम्मद ﷺ तमाम उम्र कहां रहे ?

जवाब : आप ﷺ त्रेपन 53 साल की उम्र तक मक्का मुकर्रमा में रहे उसके बाद अल्लाह के हुक्म से मदीना मुन्ववरा हिजरत कर गये वहां 10 साल रहे और 63 साल की उम्र में वफात पाई .

119) सवाल :यह कैसे मालूम हुआ कि हजरत मुहम्मद अल्लाह के नबी और रसूल है ?

जवाब : उन्होंने सारी जिंदगी अच्छे काम किये और ऐसी ऐसी बातें बताई और दिखाई के जो पूरे तौर पर सही साबित हुई और वो बातें सिवाय पैगंबरों के कोई और बता नहीं सकता .

120) सवाल : आप ﷺ के घर के कामकाज कौन किया करता था ?

जवाब : आप ﷺ खुद ही कर लिया करते थे, किसी काम में आप तकल्लुफ ना फरमाते अज़वाजे मुताहरात के साथ किचन के कामों में हाथ बटाते ,कपड़े धो लेते, उन्हें सुखा लेते,सवारी बांध लेते,और उसे चारा भी डाल देते,गरज़ ये के घर के छोटे बड़े काम आप खुद अंजाम देते,लिहाजा हमको भी हर काम खुद करना चाहिए

121) सवाल : नबी ﷺ कि कोन सी बिवी जिसका निकाह आसमान पर पढाया गया ?

जवाब : हजरत जैनब बिंते जहश रज

122) सवाल : अकीदा ख़त्मे नुबुव्वत क्या है ?

जवाब : अकीदा खत्में नुबुव्वत इस्लाम का वो बुनियादी अकीदा है जिसमें मामूली शुबा भी इंसान को दायरे ईमान से निकाल सकता है ,ये सारी दुनिया के मुसलमानो का मुत्तफिका अकिदा है

123) सवाल : क्या कुरआन मजीद सिर्फ मुसलमानो की किताब है ?

जवाब : नहीं बल्कि , कुरान कयामत तक आने वाले तमाम इंसानों की रहेनुमाई करने वाली किताब है .

124) सवाल : अकीदा खत्मे नुबुव्वत कि इस्लाम में क्या अहमियत है ?

जवाब : अकीदा खत्मे नुबूव्वत इस्लाम की जान है , सारे दिन का मदार इसी अक़ीदे पर है ,कुरआन करीम की 100 से जाईद आयात और आपﷺ की सेकंडो अहादीस अक़ीदा ख़त्मे नुबुव्वत कि दलिल है जो इस अकीदे में राई के दाने के बराबर शुबा करें वो इस्लाम से खारीज है .

125) सवाल : अक़ीदा ख़त्मे नुबुव्वत पर कुरआन से कोई आयत पेश किजिए ?

जवाब : " مَا كَانَ مُحَمَّدٌ أَبَآ أَحَدٍ مِّن رِّجَالِكُمْ وَلَكِن رَّسُولَ اللّٰهِ وَخَاتَمَ النَّبِيِّينَ وَكَانَ اللّٰهُ بِكُلِّ شَيْءٍ عَلِيمًا (سورۃ الاحزاب)

तर्जमा आयत : मुहम्मद ﷺ तुम्हारे मर्दों में से किसी के बाप नहीं है, लेकिन वो अल्लाह के रसूल है और तमाम नबियों में सबसे आखरी नबी है ,और अल्लाह हर चीज को खूब जानता है .

126) सवाल : अकीदा खत्मे नुबूव्वत पर कोई हदिसे रसूल बतलाए ?

जवाब : मैं आखरी नबी हूं मेरे बाद कोई नबी नहीं आएगा

127) सवाल : हुजूर ﷺ का इस्मे गिरामी कुरआन मजीद कितनी बार आया है ?

जवाब : मुहम्मद 4 बार और अहमद 1 बार आया है .

128) सवाल : कुरान की किस सुरत के कौन सी आयत में कहा गया कि आप ﷺतमाम आलम के लिए रहमत बना कर भेजे गए ?

जवाब : सूरे अंबिया आयत 107 में .

129) सवाल : कुरआन मजीद मुहम्मद ﷺ पर एक मर्तबा नाज़िल हुआ या थोड़ा-थोड़ा नाजिल हुआ ?

जवाब : थोड़ा-थोड़ा नाजिल हुआ कभी एक आयत कभी दो-चार आयते कभी एक सूरत जैसी जरूरत होती वैसे नाजिल होता रहा .

130) सवाल : कुरान पाक में किस बात की तालीम दी गई ?

जवाब : अल्लाह के एक होने पर ईमान, रसूल की रिसालत का इकरार ,हलाल व हराम में फर्क, जन्नत के शौक ,जहन्नम के खौफ, आखिरत पर ईमान लाने की तालीम दी गई है ,और तमाम इंसानों की दुनिया वह आखिरत की फलाह व कामयाबी के उसूल बताए गए हैं .

131) सवाल : रमजान में रोज़ा कब से कब तक रखा जाता है ?

जवाब : रमजान के महीने के शुरू से लेकर अखिर तक सूबह सादिक से गुरुबे आफताब तक रोज़ा रखा जाता है .

132)सवाल :क्या कुरआन मजीद गैर मुस्लिम को हादिया दिया जा सकता है ?

जवाब : जी हां_ हो सकता है के अल्लाह पाक कुरआन पढ़ने की बरकत से उसको इस्लाम कबूल करने की तौफीक दे दे ,मगर उसको पाक साफ होकर कुरान लेने और पाक साफ जगह पर रखने की ताकिद करें .

133) सवाल : क्या कुरआन मजीद किसी भी इंसान को कत्ल करने की दावत देता है ?

जवाब : जी नहीं_ बल्कि ये कुरआन पर बहुत बड़ा इल्जाम है , कुरान सूरे माइदा रुकू नंबर 5 आयत नंबर 32 में कहता है ,जिसने किसी इंसान को नाहक कत्ल किया तो गोया उसने तमाम लोगों को कत्ल किया और जिसने किसी इंसान की जान बचाई गोया उसने सारे इंसानों की जान बचा ली .

134) सवाल : जब कुरआन तमाम इंसानों के लिए है तो फिर अरबी में क्यों है ,दूसरी जबानों में क्यों नहीं ?

जवाब : अरबी जुबान इस कायनात की निहायत खूबसूरत और प्यारी जुबान है , और मुहम्मद ﷺ के जाते अक्दस का ताल्लुक भी अरब से है , जाहिर सी बात है कि आप ﷺ की जुबान भी अरबी है ,और जन्नतीयो कि जुबान भी अरबी है इसलिए कुरआन मजीद अरबी में नाजिल हुआ .

135) सवाल : सबसे पहले कुरआन की कौन सी आयत नाजिल हुई और किस जगह नाजिल हुई ?

जवाब : सबसे पहले सूरे अलक़ कि इब्तेदाई आयात मक्का मुकर्रमा के हीरा नामी एक गार में नाजिल हुई .

136) सवाल : नबी ﷺ जंग पर रवाना होते वक्त सबसे आखिर में किस से मिलते और आने के बाद सबसे पहले किसके घर जाते थे ?

जवाब : हजरत फातिमा .

137) सवाल : हजरत खदीजा की मौजूदगी में हुजूर ﷺ ने कितने निकाह किये?

जवाब : हजरत खदीजा जब तक हयात रही आप ﷺ ने दूसरा कोई निकाह नहीं फरमाया

138) सवाल : हुज़ूर ﷺ ने हजरत खदीजा से निकाह फरमाया तो उस वक्त क्या वो बेवा थी ?

जवाब : जी हां_ हजरत खदीजा बेवा थी और आप ﷺ से पहले उनके दो निकाह हो चुके थे .

139) सवाल : हजरत खदीजा की वफात के बाद आप ﷺ ने कितने निकाह फरमाए ?

जवाब : हजरत खदीजा की वफात के बाद आपﷺ ने 10 निकाह फरमाए.

140) सवाल : हुज़ूर ﷺ के 11 निकाह की क्या हिक्मत और मस्लेहत थी ?

जवाब : हुज़ूर ﷺ को अल्लाह पाक की तरफ से 11 निकाह की ख़ुसुसी इजाजत दी गई, जिसकी हिक्मत और मस्लेहत ये थी के (१) लोगों को बेवाओ से निकाह की तरगीब देना (२) हजूरﷺ के घरेलू हालात से उम्मत को वाकिफ कराना चुनांचे हुज़ूर ﷺ की अज़वाजे मुताहरात के जरिए आपके घरेलू जिंदगी का इल्म हुआ (३) अरबो का दस्तूर था जो उनका दामाद बन जाता , उसके खिलाफ जंग करना अपनी इज्जत के खिलाफ समझते थे , चुनांचे निकाह कि वजह से कई कबीलो की दुश्मनी सर्द पड़ गई थी .

141) सवाल : ये हिजाब क्या है ?

जवाब : पर्दा अल्लाह का हुक्म है पर्दा दिलों की तहारत व पाकिज़ गी का जरिया है, पर्दा औरत की फित्री हया का तकाज़ा है पर्दा औरत को इंसान नुमा भेडियो से बचाता है पर्दा मुआशरे में अम्न का जरिया है पर्दा एक ऐसा हुक्मे शरई है जिसमें दुनिया व आखिरत के बहुत से फायदे हैं .

142) सवाल : पर्दा न करने का क्या नुकसान है ?

जवाब : बेपर्दागी अल्लाह ताला की नाराजगी का सबब है, बेपर्दा औरत की मुआशरे में कोई इज्जत नहीं रहती, लोग उसके किरदार पर उंगलियां उठाते हैं ,बेपर्दगी की वजह से मुआशरे का अम्न खत्म होता है और बेपर्दा औरत दुनिया व आखिरत में रुसवा व ज़लील होती है.

143) सवाल : हुज़ूर ﷺ से निकाह और रुख्सती के वक्त हजरत आयशा की क्या उम्र थी ?

जवाब : मशहूर कोल के मुताबिक हुजूर ﷺ से निकाह के वक्त हजरत आयशा की उम्र 6 साल और रुख्सती के वक्त 9 साल थी

144) सवाल : मदरसा किसको कहते हैं ?

जवाब : यु तो हर वो जगह जहां पर कुरआन के पढ़ने पढ़ाने को सिखाया जाए वह मदरसा है फिर वो जंगल हो या शहर ,झोपड़ा हो या महल .

145) सवाल : क्या मदारिस दहशत गर्दी के अड्डे हैं ?

जवाब : हरगिज़ नहीं_ मदारिस में कुरान की तालीम होती है , और जिस जगह इल्म का नूर हो वह जगह दहशतगर्द का अड्डा कैसे हो सकती है , मदारीस तो हर बच्चे को अच्छा व बा इज्जत शहरी बनाते हैं , उसको हर एक के साथ मोहब्बत से जिंदगी गुजारने का तरीका सीखाते है और मदारिस इस मुल्क में वतन दोस्ती व वतन की तरक्की का बहुत बड़ा जरिया है , इस मुल्क की आजादी में मदारिस का बहुत बड़ा हाथ है .

146) सवाल : मदारिसे इस्लामिया में क्या-क्या पढ़ाया जाता है ?

जवाब : दीनी मदारिस का अपना एक खास निसाबे तालीम होता है जो पाक़ीज़ा व नूरानी माहौल में पढ़ाया जाता है, जिसमें कुरान व हदीस , अरबी ,उर्दू ,फारसी ,सर्फ, नहव (ग्रामर) तफसीर, फिकाह , उसूले फिकाह, फन्ने अदब जैसे उलुम पढ़ाये जाते हैं , इसके अलावा वतने अज़ीज़ में सुबाई जुबानो के साथ साथ English ,रियाज़ी , सायंस, और कंप्यूटर की तालीम दी जाती है .मदरिस मे देश का सचा सिपाही बनया जाता है और अल्लह का वली बनया जता है.

147) सवाल :नबी ﷺ के किस नवासे को कर्बला में शहीद किया गया

जवाब : हजरत हुसैन

148) सवाल : दिनी मदारिस की क्या खिदमत है ?

जवाब : मदारिस जहां दिन की हिफाजत के किले , हिदायत के सर चश्मे , कुरान व हदीस की हिफाजत व इशाअत का जरिया है, वहां यह दुनिया की हाकीकी तौर पर सबसे बड़ी फलाही तंज़ीम भी है जो लाखों तलबा व तालीबात बिला मुआवज़ा तालीम के जेवर से आरास्ता करने के साथ-साथ उनके खुराक , पोशाक, रिहाइश ,व तिब्बी सहूलियात का मुफ्त इंतजाम करते हैं .

149) सवाल : हुजूर ﷺ को कौन सा तेल सबसे ज्यादा पसंद था ?

जवाब : हुज़ूर ﷺ को जैतून का तेल सबसे ज्यादा पसंद था .

150) सवाल : हुज़ूर ﷺ को कौन सा रंग सबसे ज्यादा पसंद था ?

जवाब : हुज़ूर ﷺ को सफेद रंग सबसे ज्यादा पसंद था .

151) सवाल :हुज़ूर ﷺ सफर के दौरान कौन सी चीजें अपने साथ रखा करते थे?

जवाब : हुज़ूर ﷺ सफर के दौरान अपने साथ तेल की शीशी,सुर्मादानी आईना, कंगी , कैंची ,मिस्वाक सुई धागा रखा करते थे .

152) सवाल : हुज़ूर ﷺ के मशहूर तलवार का नाम क्या था ?

जवाब : हुज़ूर ﷺ की मशहूर तलवार का नाम जुल्फीकार था .

153) सवाल : हुज़ूर ﷺ को आपकी वालिदा माजीदा ने कितने दिन दूध पिलाया?

जवाब : हुज़ूर ﷺ को आपकी वालीदा माजीदा ने तीन या चार दिन दूध पिलाया

154) सवाल : हुज़ूर ﷺ के हयात मुबारक में पीर का दिन क्या अहमियत रखता हे ?

जवाब : हुज़ूर ﷺ की विलादत पीर के दिन हुई , नुबुव्वत पीर के दिन मिली , हीजरत पीर को हुई कुबा में दाखिला पीर को हुआ विसाल पीर को हुआ .

155) सवाल :हुज़ूर ﷺ के कितने लड़के हुए और उनकी उम्र क्या हुई ?

जवाब : हुज़ूर ﷺ के तीन लड़के हुए जिनमें फर्जंद हजरत कासिम की उम्र 2 साल , हजरत इब्राहिम की 18 महीने और हजरत अब्दुल्लाह का बचपन में ही इंतकाल हुवा.

156) सवाल : हुज़ूर ﷺ की पहली लड़की का नाम बताओ ?

जवाब : हुज़ूर ﷺ की पहली लड़की का नाम हजरत जैनब रज है

157) सवाल : हुज़ूर ﷺ की दूसरी लड़की का नाम और उनकी उम्र कितनी थी बताओ ?

जवाब : हुज़ूर ﷺ की दूसरी लड़की का नाम रुकैया और उनकी उम्र 21 साल थी .

158) सवाल : हुज़ूर ﷺ की तीसरी लड़की का नाम और उनकी उम्र कितनी थी ?

जवाब : हुज़ूर ﷺ की तीसरी लड़की का नाम उम्मे कुलसुम और उनकी उम्र 27 साल है .

159) सवाल : हुज़ूर ﷺ की चौथी लड़की का नाम और उनकी उम्र कितनी थी ?

जवाब : हुज़ूर ﷺ की चौथी बेटी का नाम फातिमा और उनकी उम्र 22 साल थी .

160) सवाल : हजरत फातिमा के लड़कीयों और लड़को के नाम बताओ ?

जवाब : लड़को के नाम (१) हजरत हसन (२) हजरत हुसैन (३) हजरत मुहसिन , लड़कियों के नाम (१) हजरत जैनब (२) हजरत रुकैया (३) हजरत उम्मे कुलसुम.

161) सवाल : हजरत मुहम्मद ﷺ की नस्ल किस बेटी से आगे चलती है ?

जवाब : हजरत फातिमा से

162) सवाल : हजरत उस्मान से अपनी लड़कियों के निकाह के बारे में हुज़ूर ﷺ ने क्या फरमाया था ?

जवाब : हुज़ूर ﷺ ने ये फरमाया के अगर मेरी 100 लड़कियां होती तो मे एक के बाद दूसरी इसी तरह हज़रत उस्मान के निकाह में दे देता

163) सवाल : नबी ﷺ ने किस ऊंटनी पर बैठ कर मक्का से मदीना हिजरत की?

जवाब : कस्वा

164) सवाल : हिजरत के वक्त कौन से सहाबी आप ﷺ के साथ थे ?

जवाब : हजरत अबूबकर सिद्दीक

165)सवाल :किस सहाबी से नबी ने कहा था कि कैसर व किसरा के कंगन पहनोगे ?

जवाब : सुराका बिन मालिक

166) सवाल : फतह मक्का कोन से साल में हुआ ?

जवाब : 8 हिजरी

167) सवाल : गज़वा और सरीया मे किया फर्क है ?

जवाब : गज़वा जिस में आप खुद शरीक हुए हो और सरिया जिस मे आप ﷺ ने किसी सहाबी को अमिर बना कर भेजा हो .

168) सवाल : आप ﷺ के कितने फुफीया थी नाम बताओ ?

जवाब : आप ﷺ कि 6 फुफीया थी (१)बर्रा (२) बैज़ा (३) आतिक़ा (४) सफिया (५) अरवा (६) उमैमा

169) सवाल : अब्दुल मुत्तलिब की औलाद में सबसे ज्यादा खूबसूरत ,पाक दामन और चहिते कौन थे ?

जवाब : हजरत अब्दुल्लाह (आप ﷺ के वालिद)

170) सवाल : हजरत आमिना किसकी बेटी थी ?

जवाब : वहब बिन अब्दे मुनाफ

171) सवाल : हजरत अमीना के वालिद वहब बिन अब्दे मुनाफ किस कबीले के सरदार थे ?

जवाब : बनु जोहरा के सरदार थे .

172) सवाल : हजरत अब्दुल्लाह (आप ﷺ के वालिद) का कहां और किस उम्र में इंतकाल हुआ ?

जवाब : मदीना में , 25 साल की उम्र में

173) सवाल:आप ﷺ को आपकी वालीदा के बाद सबसे पहले किसने दूध पिलाया ?

जवाब : अबु लहब की बांदि सुवैबा ने दूध पिलाया

174) सवाल : दादा अब्दुल मुत्तलिब ने आप ﷺ को किस दूध पिलाने वाली दाया के हवाले किया ?

जवाब : हजरत हलीमा सादिया के

175) सवाल : हजरत हलीमा सादिया के शोहर का नाम बताओ ?

जवाब : हारिस बिन अब्दुल उज़्ज़ा

176) सवाल : हारीस की औलाद का नाम बताए जो आप ﷺ के दूध शरिक भाई थे ?

जवाब : अब्दुल्लाह , हुजाफा , जुज़ामा इसके अलावा अबू सुफियान बिन हारिस बिन अब्दुल मुत्तलिब जो आप ﷺ के चचेरे भाई थे

177) सवाल : शक़्क़े सदर किसे कहते हैं ?

जवाब : हजरत जिब्राइल अलैहिस्सलाम ने आप ﷺ को पकड़ा और सिना चाक करके दिल निकाला और एक बर्तन में जमजम के पानी से धोया फिर उसे जोड़ दिया .

178) सवाल : दादा अब्दुल मुत्तलिब का इंतकाल कहा हुआ और उस वक्त आप ﷺ कि उम्र मुबारक कितनी थी ?

जवाब : मक्का मुकर्रमा में ,आप ﷺ कि उम्र 8 साल 2 महीने 10 दि

179) सवाल : हिजरत के बाद हुज़ूर ﷺ कुबा में दाखिल हुए तो आप ﷺ का इस्तेकबाल करने वालों की तादाद कितनी थी ?

जवाब : हुज़ूर ﷺ के इस्तेकबाल करने वालों की तादाद 500 थी.

180) सवाल : उस मस्जिद का नाम बताएं जहां एक नमाज पढ़ने का सवाब दूसरी मस्जिद में पढ़ी जाने वाली 50,000 नमाजों के बराबर है ?

जवाब : मस्जिदे नबवी .

181) सवाल : उन मस्जिदों का नाम बताएं जिनकी तामीर में खुद हुजूर ﷺ ने अपने सहाबा के साथ मिलकर मजदूरों की तरह काम किया था ?

जवाब : मस्जिदे कुबा , मस्जिद-ए-नबवी .

182) सवाल : क्या आप बता सकते हैं की मस्जिदे नबवी के सहन में जो सायेदार चबूतरा मौजूद था उसे किस नाम से पुकारा जाता था ?

जवाब : सुफ्फा

183) सवाल : कुबा में तशरीफ लाने के बाद आप ﷺ ने सबसे पहले कौन सा काम किया था ?

जवाब : आप ﷺ ने वहां एक मस्जिद की बुनियाद रखी थी .

184) सवाल : हुजूर ﷺ के खानदान के फर्द का इस्मे गरामी बताएं जो हिजरत के बाद सबसे पहले आप ﷺ से कुबा में आकर मिले थे ?

जवाब : हजरत अली .

185) सवाल : कुबा और बनुसालीम की बस्ती से जब हुजूर ﷺ मदीना की तरफ रवाना हुए तो आप ﷺ किस ऊंटनी पर सवार थे ?

जवाब : कस्वा पर

186)सवाल:हुजूर ﷺ ने मदीना मुनव्वरा में मस्जिदे नबवी की बुनियाद कब रखी ?

जवाब : रबिउल अव्वल सन 1 हिजरी में

187) सवाल :हदीस के चंद मशहूर किताबों के मुख्तसर नाम बताएं ?

जवाब : (१)बुखारी शरीफ (२)मुस्लिम शरीफ, (३)तिरमीज़ी शरीफ,

(४)अबू दाऊद शरीफ, (५)नसाई शरीफ , (६)इब्ने माजा शरीफ

188) सवाल : हुजूर ﷺ के इंतकाल के वक्त आपकी कितनी औलाद जिंदा थी ?
जवाब : सिर्फ 1 हज़रत फातिमा ज़िंदा थी

189) सवाल : हुजूर ﷺ का पहला निकाह किस खातून से हुआ ?
जवाब : हजरत खदीजा से

190) सवाल : हुजूर ﷺ कि वो कौन सी अज़वाजे मुतहरा हैं जिनकी ओढनी (दूपाट्टा) से जंगे बदर में इस्लामी परचम लहराया गया था ?
जवाब : हजरत आयशा सिद्दीका रज के ओढनी (दूपाट्टा) से जंगे बदर में इस्लामी परचम लहराया गया था.

191) सवाल : हुजूर ﷺ की अज़वाजे मुताहरात में से उनका इसमे गरामी बताएं जिनको जिब्राइल अमीन ने खुद सलाम पहुंचाया था ?
जवाब : उम्मुल मोमिनीन हजरत खदीजा

192) सवाल : हुजूर ﷺ मेअराज के लिए कब तशरीफ ले गए ?
जवाब : 17 रजबुन नबवी मुताबिक 18 मार्च 620 सन इसवी

193) सवाल : वाकिया मेअराज के वक्त आप ﷺ की उम्र कितनी थी ?
जवाब : 51 साल 9 महीने

194) सवाल : वाकिया मेअराज के वक्त आप ﷺ के साथ कोन थे ?
जवाब : हजरत जिब्रइल अलैहिस्सलाम ओर हजरत मिकाइल अलैहिस्सलाम

195) सवाल : मेअराज में आप ﷺ को क्या तोहफा मिला
जवाब : नमाज का तोहफा मिला.

196) सवाल : हुज़ूर ﷺ इंतकाल के बाद उनके खानदान में सबसे पहले किस का इंतकाल हुआ ?
जवाब : आप ﷺ की चहेती बेटी हजरत फातिमा का

197) सवाल : हुजूर ﷺ को नुबुव्वत मिलने के बाद आप ﷺ के कितनी लड़कियों को तलाक हुई और उनके नाम क्या है ?
जवाब : दो लड़कियों को तलाक हुई (१) हजरत उम्मे कुलसुम (२) हजरत रुकैया

198) सवाल : हुजूर ﷺ के दामाद हजरत अली से आप ﷺ का क्या रिश्ता था ?

जवाब : हुज़ूर ﷺ के दामाद हजरत अली आप ﷺ के चचा अबु तालिब के बेटे थे .

199) सवाल : हजरत उस्मान के निकाह में हुज़ूर ﷺ की कितनी बेटीयां थी ?

जवाब : हजरत उस्मान के निकाह में हुज़ूर ﷺ की 2 बेटीयां हजरत उम्मे कुलसुम और हजरत रुकय्या थी.

200) सवाल : हुज़ूर ﷺ ने फरमाया में दो जबीहो कि औलाद हूं उनसे क्या मुराद है ?

जवाब : दो जबीहो से हजरत इस्माइल जबीहुल्लाह ओर हजरत अब्दुल्लाह मुराद है

201) सवाल :हुज़ूर ﷺ का ताल्लुक मक्का के किस खानदान से था ?

जवाब : हुज़ूर ﷺ का ताल्लुक खानदाने कुरैश से था .

202) सवाल : हुज़ूर ﷺ की उम्र 6 साल हुई तो किस का इंतकाल हुआ ?

जवाब : हुज़ूर ﷺ की 6 साल की उम्र हुई वालिदा हजरत आमिना का इंतकाल हुआ

203) सवाल : हुज़ूर ﷺ की वालिदा हजरत आमिना कि कब्र कहा है ?

जवाब : हुज़ूर ﷺ की वालिदा हजरत आमिना कि कब्र मकामे अबवा मे है .

204) सवाल : हजरत आमिना के इंतकाल के बाद हुज़ूर ﷺकी किसने परवरिश कि

जवाब : हजरत आमिना के इंतकाल के बाद हुज़ूर ﷺ की परवरिश दादा अब्दुल मुत्तलिब ने की .

205) सवाल : हिजरी तारीख का सिलसिला कब शुरू हुआ ?

जवाब : हजरत उमर फारूक के ज़ामाने खिलाफत मे .

206) सवाल : हुज़ूर ﷺ कि कुल उम्र कितनी थी ?

जवाब : हुज़ूर ﷺ की कुल उम्र 63 साल थी .

207) सवाल : हुज़ूर ﷺ जिस मकान में पैदा हुए वो मकान कहा था ?

जवाब : हुज़ूर ﷺ जिस मकान में पैदा हुए वो मक्का में सफा पहाड़ी पर है .

208) सवाल : हुज़ूर ﷺ कुबा से मदीना को कब रवाना हुए ?

जवाब : 12 रबिउल अव्वल सन 1 हिजरी बरोज जुमा को

209)सवाल :हुज़ूर ﷺ ने किस सहाबी को फरमाया था के मेरे मां बाप आप पर कुर्बान ?

जवाब : हजरत साद बिन अबि वक़्क़ास

210) सवाल : हुजूर ﷺ ने सबसे पहले इदुल फित्र कब पढ़ाई ?

जवाब : 1 शव्वाल सन 1 हिजरी

211) सवाल : मस्जिदे नबवी के लिए सबसे पहले किसने लकड़ी का मीम्बर पेश किया ?

जवाब : हजरत तमीम दारी ने

212) सवाल : रिश्तेदारों की खिदमत करने में क्या फायदा है ?

जवाब : आपस में मोहब्बत बढ़ती है, रिज़्क में ज्यादती होती हैं , उम्र में बरकत होती है, गुनाह माफ होते हैं, नेकिया बढ़ती है .

(213) सवाल: मेराज कब हुई?

जवाब: मेराज का सफर तायफ़ से वापसी के बाद नुबूवत के 11 वें साल में हुआ। मशहूर यह है कि यह 27 रजब की रात को हुआ।

(214) सवाल: नबी ﷺ का मिज़ाज कैसा था?

जवाब: नबी ﷺ का मिज़ाज बहुत ही नरम और खुशमिज़ाज था।

215) सवाल : अल्लाह तआला ने किस चीज के जरिए इल्म सिखाए ?

जवाब : क़लम के जरिए .

216) सवाल : मक्का मुकर्रमा मे सबसे पहले बुलंद आवाज से तीलावत करने वाले का नाम बताये ?

जवाब : हजरत अब्दुल्लाह बिन मसउद .

217) सवाल : इमाम महदी कौन होंगे ?

जवाब : इमाम महदी आखिर जमाने में हाकीम बनकर आएंगे .

218) सवाल : क्या इमाम महदी अलैहिमुर्हमा नबी होंगे ?

जवाब : जी नहीं, क्योंकि नबूवत का सिलसिला हमारे नबी ﷺ पर खत्म हो चुका है .

219) सवाल : इमाम महदी का नाम क्या होगा ?

जवाब : इमाम महदी का नाम वही होगा जो हमारे नबी ﷺ का नाम है 'मुहम्मद'

220) सवाल : इमाम महदी के वालिद का नाम क्या होगा ?

जवाब : इमाम महदी के वालिद के वालिद का नाम अब्दुल्लाह होगा.

221) सवाल : इमाम महदी किस खानदान से होगे ?

जवाब : इमाम महदी हजरत फातिमा के खानदान से होंगे और सैय्यिद होगे .

222) सवाल : इमाम महदी कितने साल हुकुमत करेंगे ?

जवाब : 7 सात साल

223) सवाल : इमाम महदी और क्या काम करेंगे ?

जवाब : आपके जमाने में मगरीबी ईसाइयों मुसलमानो की बड़ी जंग होगी उसकी कयादत आपके हाथ में होगी .

224) सवाल : उस जंग का अंजाम क्या होगा ?

जवाब : उस जंग में बड़ी खूनरेजी होगी , उसमें एक तिहाई लश्कर शहीद होगा , एक तिहाई भाग जाएंगा, और एक तिहाई जो बचेगा अल्लाह उसको फतह नसीब फरमाएंगे ,

225) सवाल : सिफयानी कोन होगा ?

जवाब : ये मुल्के शाम का रहने वाला एक शख्स होगा , जो इमाम महदी से मुकाबले के लिए निकलेगा मगर अल्लाह एक मैदान में एक आदमी को छोड़कर पूरे लश्कर को धसां देंगे .

226) सवाल : वो एक आदमी क्यों बचा दिया जाएगा ?

जवाब : वो जाकर लोगों को उस लश्कर के इबरत नाक अंजाम के बारे में बताएगा

227) सवाल : इमाम महदी का जुहूर किस वक्त होगा ?

जवाब : वक्त की कोई ताइन तो हदीस में नहीं आई अलबत्ता ये बताया गया के उस वक्त जमीन पर जुल्म सितम बहुत आम होगा हजरत महदी अद्ल और इंसाफ फैलाएंगे इसी तरह एक खलीफा का इंतेकाल होगा और उसके तीन बेटों का इख्तेलाफ होगा .

228) सवाल : दज्जाल किसे कहते हैं ?

जवाब : दज्जाल एक इंसान होगा जो एक आंख से काना होगा , और एक आंख उसकी उभरी हुई होगी उसकी पेशानी पर काफ , फि , रा लिखा होगा

229) सवाल : दज्जाल क्या करेगा ?

जवाब : वो पूरी जमीन पर घूमेगा और लोगों को अपनी खुदाई की तरफ बुलाएगा .

230) सवाल : जे लेग दज्जाल के ना मानने दज्जाल उन को साथ क्या करेगा?

जवाब : वो उनके सारे माल व दौलत छिन लेगा.

231) सवाल : मानने वालों के साथ क्या करेगा ?

जवाब : उनके ऊपर बारिश बरसाएगा जिससे खेत हरे भरे हो जाएगे

232) सवाल : दज्जाल के साथी कौन होंगे ?

जवाब : दज्जाल के साथी यहुदी होंगे

233) सवाल : यहूदी का क्या अंजाम होगा ?

जवाब : उस वक्त एक-एक यहूदी मुसलमान के हाथ कत्ल किया जाएगा , यहां तक के अगर किसी द्रख्त या दीवार के पीछे छुपेगा तो वो भी कहेगा के ये यहूदी मेरे पास छुपा हुआ है इसको कत्ल करो .

234) सवाल : क्या दज्जाल को बारिश बरसाने की कुदरत हासिल होगी ?

जवाब : जी हां_ दज्जाल को खुदा की तरफ से ये ताकत दी जाएगी

235) सवाल : क्या दज्जाल मुर्दों को जिंदा करेगा ?

जवाब : दज्जाल के साथ शैतान होंगे जो दज्जाल की शक्ल मे लोगों के गुजरे हुए बाप की शक्ल में आएगा .

236) सवाल : क्या दज्जाल को जिंदगी और मौत पर कुदरत दी जाएगी ?

जवाब : जी हां_एक मर्तबा ये कुदरत दी जाएगी, वो एक बड़े ईमान वाले को अपनी खुदाई के तरफ बुलाएगा वो शख्स इनकार कर देगा उस पर वो उस शख्स को मार कर दो टुकड़े कर देगा , फिर उसको जिंदा कर देगा और कहेगा के अब तो मेरी खुदाई पर तुझे यकीन आ गया होगा , वह कहेगा कि अब तो मुझे और यकीन आ गया के तु काना दज्जाल है , फिर उसे दोबारा मारना चाहेगा मगर इस मर्तबा उससे ये ताकत छीन ली जाएगी , और उसी वक्त हजरत ईसा अलैहिस्सलाम आसमान से उतरेंगे ये सुनकर दज्जाल भागेगा , और हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम पीछा करके दज्जाल के कत्ल कर देंगे .

237) सवाल : दज्जाल कितने दिन जमीन पर ठहरेगा ?

जवाब : 40 दिन, मगर उसका पहला दिन एक साल के बराबर, दूसरा दिन एक महीने के बराबर ,तीसरा दिन एक हफ्ते के बराबर ,और उसके बाद के दिन आम दिनों की तरह होंगे .

238) सवाल : दज्जाल के फितने से बचने के लिए क्या तदबिर इख्तयार करनी होगी ?

जवाब : सूरह कहफ़ के शुरू आखिर की 10 आयतें पढ़ ली जाए .ईस कि बरकत से हम दज्जाली फितने से हम महफूज़ रहे गे.

239) सवाल : हजरत ईसा अलैहिस्सलाम कौन है ?

जवाब : हजरत ईसा अलैहस्सलाम अल्लाह के बरगूज़ीदा पैगंबर है जो हमारे नबी ﷺ से तकरीबन 600 साल पहले तशरीफ लाए थे .

240) सवाल : क्या हजरत ईसा अलैहीस्सलाम का इंतकाल हुआ है ?

जवाब : नहीं _ यहूदियों ने हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम के कत्ल के लिए घेरा किया ,अल्लाह ने उसी वक्त उनको आसमान पर जिंदा उठा लिया,और वो कयामत के करीब इस दुनिया में तशरीफ लाएंगे .

241) सवाल : हजरत ईसा अलैहीस्सलाम किस हालत में उतरेंगे ?

जवाब : दो फरिश्तों के कंधों पर हाथ रखकर हल्के पीले रंग में, दिमश्क जो के मुल्के शाम का एक शहर है उसके मशरीकी किनारे के पास उतरेंगे .

242) सवाल : हजरत ईसा अलैहिस्सलाम क्या काम करेंगे ?

जवाब : दुनिया से कुफ्र का खात्मा करेंगे , दज्जाल को कत्ल करेंगे, आपकी सांस जिस काफिर को पहुंचेगी वो पिघल जाएगा .

243) सवाल : हजरत ईसा अलैहिस्सलाम दज्जाल को किस मकाम पर कत्ल करेंगे ?

जवाब : बाबे लुद पर जो के इस वक्त मक़बूज़ा इजराइल में वाकेअ है .

244) सवाल : याजुज माजुज कौन होंगे ?

जवाब : यह इंसानों में से ही होंगे जो कुर्बे कयामत में हजरत ईसा अलैहीस्सलाम के तशरीफ लाने के बाद निकलेंगे .

245) सवाल : याजूज माजूज कहां से निकलेंगे ?

जवाब : सिकंदर जुलकरनैन ने एक बड़ी दीवार बनाई थी, कयामत के करीब वह दीवार टूटेगी तो रुए जमीन पर याजूज माजूज फैल जाएंगे .

246) सवाल : ये लोग क्या करेंगे ?

जवाब : यह लोग पूरी जमीन पर फितना व फसाद फैलाएंगे ,यहां तक के जमीन वालों को खत्म कर देंगे तो आसमान वालों को मारने

के लिए तीर बरसाएंगे, अल्लाह ताला उनके तीर को खून आलूद लौट आएंगे .

247) सवाल : उस वक्त हजरत ईसा अलैहिस्सलाम कहा होंगे ?

जवाब : उस वक्त हजरत ईसा अलैहिस्सलाम अल्लाह के हुक्म से ईमान वालों को लेकर कोहे तुर पर चले जाएंगे , क्योंकि उनसे मुकाबले की किसी को ताकत नहीं होगी .

248) सवाल : याजूज माजूज की हालाकत कैसे होगी ?

जवाब : हजरत ईसा अलैहिस्सलाम बद्दुआ फरमाएंगे जिससे उनके बगल के नीचे एक कीड़ा पैदा होगा ,जो उनकी हलाकत का सबब बनेगा फिर अल्लाह एक परिंदा भेजेगा , जो उनकी लाशों को उठाकर समंदर में फेंक देंगा , उसके बाद अल्लाह ताला मिंह (बारिश) बरसाएगा जिस से जमीन आईने की तरह साफ हो जाएगी .

249) सवाल : उसके बाद क्या होगा ?

जवाब : उसके बाद कयामत की कुछ और खास अलामत जाहिर होगी फिर कयामत वाकेअ हो जाएगी ,

250) सवाल : वह कयामत की कौन सी ख़ास अलामते होगी ?

जवाब : (१) सूरज का मगरिब से तुलु होना , उसके बाद तौबा का दरवाजा बंद हो जाएगा (२) दाब्बतुल अर्ज यानी जमीन से जानवर निकलेगा जो इंसानो से बातें करेगा (३) तीन जगह जमीन में धसने के वाकेयात होंगे एक मशरिक में एक मगरिब में और एक जजीरतुल अरब में (४) एक हवा चलेगी जो तमाम ईमान वालों की रूह कब्ज कर लेगी , यहां तक के जमीन पर काफिर,फाजिर किस्म के लोग रह जाएंगे , जो खुले आम जानवरों की तरह ज़ीना करेंगे , उन्ही लोगों पर कयामत कायम होगी .

●●●

ईगराज़ व माकासीद नोमानी अल खैर फ़ाउंडेशन

नोमानी अल-खैर फ़ाउंडेशननोमानी अल-खैर फ़ाउंडेशन एक बामक्सद दिनी, फ़लाही रिफ़ाही इस्लाही अदारह है। अल्हम्दुलिल्लाह, शुरू दिन से ही नोमनी अलखैर फ़ाउंडेशन को अकाबिर उलमा व इमाम, सियासी सामाजि शखसियात की सरपरस्ती, और नौजवानाने मिल्लत व अवामुनास का मुकम्मल ताऊन व हिमायत हसील है.

फ़ाउंडेशन सुबा ए महाराष्ट्र के पसमांदा कमजोर इलाक़ों में मक़ातिब-ए-क़ुरआनिया, ऊलूमे दिनीया व स्कूल के लिये अज़ीम खिदमात अनजाम दे रहा है फ़ाउंडेशन सीरतुन्नबी और इस्लामी इनामी क्विज़ मुक़ाबलो के ज़रिए शहर और क़स्बों में दिनी तालीम से रूशनास करवाने के लिये मुनज़्ज़म महनत कर रहा है .फ़ाउंडेशन, मक़ातिब के असातिज़ा और मस्जिदों के इमामों की तन्ख़्वाह की मुश्किल हालात में माली मदद कर रहा है।पिछले 6 सालों से फाउंडेशन के जानिब से रमज़ान मुबारक के मौक़े पर 110 से ज़्यादा इमाम और असातिज़ा मकातिब को राशन किट और शीरख़ुरमा किट का कीम्ती तौहफे दिए जा रहे हैं।साथ ही ग़रीब और यतीम तलबा-तालिबात की मदारिस-ए-इस्लामिया में कफ़ालत भी की जाती है।फ़ाउंडेशन के ज़ेरे-एहतमाम ब्लड डोनेशन कैम्प का भी इनक़ाद किया जाता है, ताकि ज़रूरतमंद मरीज़ों को खून दिया जा सके।फ़ाउंडेशन, अज़ान, लाउडस्पीकर, वक़्फ़ जायदाद जैसे कई अहम मसाइल पर भी बेबाकी से जुम्हूरी तरीक़े पर उम्मत की क़ियादत कर रहा है। आप अपनी दुआओं और तआवुन से नोमानी अल-खैर फ़ाउंडेशन के कामों का हिस्सा बनें।अल्लाह तआला हर मददगार को दुनिया और आख़िरत में इसका बेहतरीन बदला अता फरमाए। आमीन या रब्बुल आलमीन।

तुम ज़मीन वालों पर रहम करो, आसमान वाला तुम पर रहम करेगा

अगर चाहते हैं कि आपका माल सही जगह खर्च हो:

गरीब बच्चों की दीन और दुनियावी तालीम पर।

बीमारों के इलाज और दवा पर।

यतीमों की कफ़ालत पर।

बेवा और तलाक़शुदा औरतों को ख़ुद-मुख़्तार बनाने पर।

हमारी बहनों की इज़्ज़त और आबरू की हिफ़ाज़त पर।

किसी भटके हुए को सही राह दिखाने पर।

तो आइए और जानी माली दुआओं व हौसलों के ज़रिए हमारे फ़ाउंडेशन का तआवुन कीजिए।

सदक़ा के फ़ायदे

- गुनाहों की माफ़ी का ज़रिया है।
- अल्लाह तआला की रज़ा का सबब है।
- आफ़ात और मुसीबतों से बचाव की ढाल है।
- हर तरह की बीमारी का शीफ़ाई इलाज है।
- माल में बरकत और बढ़ोतरी का ज़रिया है।
- दिल की सख़्ती दूर होती है।
- अल्लाह के ग़ज़ब को ठंडा करता है।
- बुरी मौत से हिफ़ाज़त करता है।
- अज़ाब-ए-क़ब्र और जहन्नुम से बचाता है।

क़यामत के दिन अर्श का साया मिलेगा।

नोमानी अल-खैर फ़ाउंडेशन

(अर्शी कॉम्प्लेक्स, कोपरगांव,ज़िला अहमदनगर)

8484979861

SCAN TO DONATE

FARHAN COMPUTER, MALEGAON 9359566438